B.A part I (H & subsi.) Philosophy

डॉ० अनीता कुमारी गुप्ता
जे० के० कॉलेज बिरौल।

वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तरी

1. भगवान बुद्ध द्वारा कार्य-कारण शृंखला या भव चक्र या प्रतीत्यसमुत्पाद चक्र में कितनी कड़ियों का वर्णन किया गया है?

Ans. बारह

2. बौद्ध-दर्शन में अष्टांगिक मार्ग के प्रधान अंग कौन हैं?

Ans. शील, समाधि, प्रज्ञा

3. बाल गंगाधर तिलक ने गीता को क्या कहा है?

Ans. कर्मयोग प्रधान ग्रंथ

4. कर्मयोगी को कैसा कर्म करना चाहिए?

Ans. निष्काम कर्म

5. शंकराचार्य ने गीता को क्या माना है?

Ans. ज्ञान योग प्रधान ग्रंथ

6. गीता के अनुसार समत्व-योग के कौन रूप हैं?

Ans. आत्मतत्व समत्व

7. सेवा के द्वारा परमात्मा से संबंध जोड़ना कहलाता है-

Ans. भक्तियोग

8. रामानुज गीता को कैसा ग्रन्थ मानते हैं?

Ans. भक्तियोग प्रधान ग्रंथ

9. रामानुज के अनुसार भक्त ईश्वर की आराधना किस भाव से करता है?

Ans. द्वैत

10. भक्तियोग की इनमें क्या विशेषता है?

Ans. आत्मसमर्पण

11. भगवान बुद्ध के चार आर्य सत्यों में कौन शामिल नहीं है?

Ans. दुःख नहीं है।

B.A Part I (Hd subsee) Philosophy

डॉ० अनीता कुमारी गुप्ता
जे० के० कॉलेज बिरौल

वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तरी

1. न्याय के तर्कशास्त्र में कितने प्रकार के हेत्वाभास माने गये हैं?

Ans - पाँच

2. किसी विश्वस्त व्यक्ति के कथनानुसार जो ज्ञान प्राप्त होता है वह कैसा ज्ञान है?

Ans शब्द

3. न्याय-दर्शन में 'शब्द' ज्ञान को कितने भागों में बाँटा गया है

Ans. दृष्टार्थ, अदृष्टार्थ

4. न्याय के अनुसार वाक्यों को सार्थक होने के लिए कौन-कौन शर्त जरूरी माना गया है?

Ans. सान्निधि

5. न्याय के अनुसार उपमान द्वारा जिस ज्ञान की प्राप्ति होती है उसे क्या कहते हैं?

Ans. उपमिति

6. किन दर्शनों में उपमान को एक स्वतंत्र प्रमाण के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है?

Ans. मीमांसा, न्याय, अद्वैत वेदांत

7. न्याय दर्शन के कारण की व्याख्या पाश्चात्य तार्किकों में किससे मेल खाती है?

Ans. मिल

8. न्याय के अनुसार कारण है –

Ans. नियत, अनौपाधिक, तात्कालिक पूर्ववर्ती

9. न्याय दर्शन कारण सिद्धांत में किसका समर्थक माना गया है?

Ans. एककारणवाद